

NCERT Solutions For Class 8 Hindi Vasant III Chapter 14

- अन्नपूर्णानंद वर्मा

पृष्ठ संख्या: 89

प्रश्न अभ्यास कहानी की बात

1. "लाला ने लोटा ले लिया, बोले कुछ नहीं, अपनी पत्नी का अदब मानते थे।" लाला झाऊलाल कोबेढंगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिरभी उन्हों ने चुपचाप लोटा ले लिया। आपके विचार से वे चुप क्योंरहे? अपने विचार लिखिए।

### उत्तर

लाला झाऊलाल को बेढंगा लोटा बिलकुल पसंद नहीं था। फिरभी उन्हों ने चुपचाप लोटा ले लिया क्योंकि वे अपनी पत्नी का अदब मानते थे। इसके अतिरिक्त उन्हों ने सोचा कि अभी तो लोटे में पानी मिला है यदि चूँ कर दू तो कहीं बाल्टी में भोजन ना करना पड़े। यही सोच कर उन्हों ने चुप रहना ही बेहतर समझा।

 "लाला झाऊलाल ने फ़ौरन दो और दो जोड़कर स्थिति को समझ लिया।" आपके विचार से लाला झाऊलाल ने कौन-कौन सी बातें समझ ली होंगी?
उत्तर

लोटा गिरने पर गली में मचे शोर को सुनकर भारी भीड़ लाला झाऊलाल आँगन में घुस आई। एक अंग्रेज को भीगे हुए तथा पैर सहलाते हुए देखकर वे समझ गए कि स्थिति गंभीर है और इस समय उनका चुप रहना ही ठीक है। 3. अंग्रेज के सामने बिलवासीजी ने झाऊलाल को पहचान ने तक से क्यों इनकार कर दिया था? आपके विचार से बिलवासीजी ऐसा अजीब व्यवहार क्यों कर रहे थे? स्पष्ट कीजिए।

### उत्तर

अंग्रेज के सामने बिलवासीजी ने झाऊलाल को पहचानने से इनकार कर दिया क्यों कि वह अपनी योजना पूरी करना चाहते थे जिससे पैसे कि व्यवस्था हो सकें। यदि वे लालाजी को पहचानते तो योजना विफल हो जाती। पंडित बिलवासी मिश्र ऐसा अजीब व्यवहार इसलिए भी कर रहे थे कि अंग्रेज को ज़रा भी संदेह न हो कि वह लाला झाऊलाल का आदमी है।

# बिलवासीजी ने रुपयों का प्रबंध कहाँ से किया था? लिखिए।

### उत्तर

बिलवासीजी ने रुपयों का प्रबंध अपने ही घर से अपनी पत्नी के संदूक से चोरी कर किया था। बाद में उन्हों ने रुपये चुप-चाप वहीं रख दिए।

## आपके विचार से अंग्रेज ने वह पुराना लोटा क्यों खरीद लिया? आपस में चर्चा करके वास्तविक कारण की खोज कीजिये और लिखिए।

### उत्तर

अंग्रेज़ को पुरानी ऐतिहासिक चीज़ें इकडा करने का शौक था। उसके एक मित्र ने 300 रूपए देकर एक जहाँगीरी अंडा खरीदा था। उसे हीन दिखाने के लिए अंग्रेज़ ने यह लोटा, अकबरी लोटा समझकर 500 रूपए में खरीदा।

### अनुमान और कल्पना

"इस भेद को मेरे सिवाए मेरा ईश्वर ही जानता है।
आप उसी से पूछ लीजिए। मैं नहीं बताँऊंगा।"
बिलवासी जी ने यह बात किससे और क्यों कही?
लिखिए।

### उत्तर

'बिलवासी' जी ने यह बात 'लाला झाऊलाल' से कही क्योंकि उसने ये पैसे अपनी पत्नी के संदूक से चुराए थे। इस रहस्य को वह 'झाऊलाल' के सामने खोलना नहीं चाहते थे।

2. "उस दिन रात्रि में बिलवासीजी को देर तक नींद नहीं आई।" समस्या झाऊलाल कि थी और नींद बिलवासीजी कि उड़ी तो क्यों? लिखिए।

### उत्तर

बिलवासीजी अपनी पत्नी के सो जाने कि प्रतीक्षा कर रहे थे ताकि वे सोई पत्नी के गले सोने कि वह सिगड़ी निकाल सकें, जिसमें एक ताली बँधी हुई थी। वे ताला खोल कर पत्नी के रुपयों को उसके संदूक में वैसे ही चुप-चाप रख देना चाहते थे जैसे वे निकाले थे। यह समस्या झाऊलाल कि नहीं बिलवासीजी कि थी।

\*\*\*\*\*\*\*\*\* END \*\*\*\*\*\*\*